हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 6 अक्टूबर 2026

12 कोरोना में बंद महेंद्रगढ़-गुरुग्राम बस सेवा नहीं...



12 50 लाख रुपये की लागत से शहर में पांच...



डीएपी के लिए 5 बजे से कतार, खाद नहीं मिली तो डीसी आवास पहुंचे किसान

■ अनाज मंडी की सोसायटी पर करीब 150 किसान पहुंचे, रैक नहीं आने की सूचना पर भड़के

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रबी सीजन शुरू होते ही सरसों की बिजाई के लिए डीएपी की मांग बढ़ गई है, लेकिन खाद नहीं मिलने से किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। सोमवार को नारनौल अनाज मंडी स्थित सोसायटी कार्यालय पर डीएपी लेने के लिए आसपास के गांवों से करीब 150 किसान पहुंच गए। कई किसान सुबह पांच बजे ही कतार में लग गए थे। सात बजे तक भीड़ बढ़ गई, लेकिन नौ बजे कार्यालय खुलने पर किसानों को बताया गया कि डीएपी का रैक नहीं लगा है और खाद उपलब्ध नहीं है। घंटों इंतजार के बाद भी खाद नहीं मिलने से किसानों का आक्रोश फूट पड़ा और वे वापस लौटने के बजाय महेंद्रगढ़ रोड स्थित डीसी आवास पहुंच गए। मांदी, पटीकरा, नीरपुर, भूषण, शोभापुर, मंढाणा और निजामपुर क्षेत्र से पहुंचे सुरेंद्र पूर्व डेलीगेट, सुरेंद्र यादव भूषण खुर्द, मनोज कुमार, पवन कुमार, फूल सिंह, बाबूलाल, दिनेश, हवा सिंह, विनोद, करतार, बिमला, भुटेरी,



नारनौल। डीसी आवास के बाहर किसानों से बातचीत करते क्यूसीआई संजय यादव व डा. हरपाल यादव। फोटो : हरिभूमि

मनकोरी, लाली, प्रभु, हरभगत और राजेश सहित अन्य किसानों का कहना था कि सरसों की बिजाई का समय चल रहा है। बिजाई से पहले डीएपी नहीं मिलने से उन्हें फसल की तैयारी में परेशानी हो रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि वे कई दिनों से सोसायटी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन खाद कब आएगी, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही।

आश्वासन से नहीं माने किसान, डीसी से मिलने पर अड़े

किसानों के डीसी आवास पहुंचने की सूचना पर कृषि विभाग से हरपाल सिंह और खाद गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक संजय यादव मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि इफ्को का डीएपी रैक बुधवार तक आने की संभावना है। रैक आने के बाद ही वितरण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। किसान इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और उपायुक्त से मिलने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद उनकी उपायुक्त डॉ. अनुपमा अंजली से मुलाकात करवाई गई। किसानों ने उपायुक्त के सामने खाद की कमी के साथ सोसायटी कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि कार्यालय में जिम्मेदार कर्मचारी नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहते। सोसायटी मैनेजर भी अक्सर कार्यालय में नहीं मिलते और खाद के संबंध में किसानों को सही जानकारी नहीं दी जाती। फोन करने पर भी उन्हें दो-चार दिन में पता करने की बात कहकर टाल दिया जाता है। किसानों ने बताया कि पिछले डेढ़-दो महीने में गत 30 सितंबर को एक बार डीएपी वितरित हुआ था, जिसमें केवल 500 बैग दिए गए। उनका कहना था कि इतनी कम मात्रा से क्षेत्र के किसानों की जरूरत पूरी नहीं हो सकती, जबकि सरसों की बिजाई का समय निकल रहा है।

डीसी ने दिया भरोसा

उपायुक्त डॉ. अनुपमा अंजली ने किसानों को आश्वासन दिया कि जरूरत के अनुसार डीएपी उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कृषि अधिकारियों को सोसायटी कार्यालय की व्यवस्था में सुधार करने और किसानों को खाद की उपलब्धता के संबंध में स्पष्ट जानकारी देने के निर्देश दिए। इसके बाद कृषि विभाग के अधिकारी सोसायटी कार्यालय पहुंचे। करीब 11 बजे वहां केवल चपड़ासी प्रदीप कुमार मौजूद मिला। मैनेजर सुनील चौधरी के बारे में बताया गया कि वह बाजरा खरीद के सिलसिले में अनाज मंडी गए हुए हैं।

अक्टूबर के लिए 7200 एमटी की डिमांड

खाद गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक संजय यादव ने बताया कि पिछले दिनों 30 हजार बैग डीएपी आया था, जिसमें से करीब 1500 मीट्रिक टन स्टॉक डीलरों के पास उपलब्ध है। अक्टूबर के लिए 7200 मीट्रिक टन डीएपी की मांग भेजी गई है। सितंबर की 2200 मीट्रिक टन लंबित मांग भी इस माह उठकर आई है। अब बुधवार तक इफ्को का करीब 20 हजार बैग यानी एक हजार मीट्रिक टन डीएपी आने की संभावना है।

खबर संक्षेप

अवैध शराब से भरी गाड़ी पकड़ी, एक गिरफ्तार

कनीना। पुलिस टीम ने गश्त व नाकाबंदी के दौरान अवैध शराब की एक बड़ी खेप बरामद की है। जिसमें सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी से 36 पेटी अवैध शराब जब्त कर एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। सदर थाना पुलिस टीम मुख्य सिपाही राजेश कुमार के नेतृत्व में गश्त पर थी।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर,घायल

कनीना। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत भोजावास बस अड्डे पर तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि आरोपित चालक मौके का फायदा उठाकर वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बारे में बव्वा निवासी संदीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह किसी काम से अपनी स्कूटी भोजावास बस अड्डे पर गया था।

7.04 ग्राम चिट्टा सहित आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना सतनाली पुलिस ने नाकाबंदी कर एक मोटरसाइकिल सवार को 7.04 ग्राम चिट्टा/हेरोइन सहित काबू किया। आरोपित की पहचान प्रवीन्द्र निवासी डालनवास के रूप में हुई। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ और मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर थाना सतनाली में मामला दर्ज किया है। डीएसपी डॉ. कविता ने बताया कि चार अक्टूबर को पुलिस टीम गश्त के दौरान सतनाली के गोशाला मोड़ पर मौजूद थी।

रातभर चली तलाश, दिल्ली में मिले दो लापता बच्चे

नारनौल। थाना सदर पुलिस ने दो नाबालिग बच्चों की गुमशुदगी की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब चार घंटे में उनका पता लगा लिया। पुलिस ने दोनों बच्चों को दिल्ली के रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद किया। डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने बताया कि दोनों बच्चे चार अक्टूबर को सुबह करीब 11 बजे घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारी में भी किया तलाश।

पहले दिन व्यापारियों ने खरीदा 2240 से लेकर 2266 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजरा

2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजरा खरीदेगी हैफेड, 600 रुपये देगी सरकार

मंडी में सोमवार को जहां 80 गेटपास कटे, वहीं लगभग 2100 क्विंटल सरसों की आवक हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आखिरकार पांचवें दिन नारनौल अनाज मंडी में बाजरे की सरकारी एवं प्राइवेट दोनों तरह की खरीद शुरू हो गई है। मंडी में सोमवार को जहां 80 गेटपास कटे, वहीं लगभग 2100 क्विंटल सरसों की आवक हुई। आज पहले दिन व्यापारियों ने बाजरे की खरीद में हिस्सा लेते हुए लगभग 2170 क्विंटल बाजरा खरीदा है, जो लगभग 2240 से लेकर 2266 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा गया।

दूसरी ओर सरकारी खरीद एजेंसी ने भी एक किसान से उसका 37 क्विंटल बाजरा खरीदना चाहा, लेकिन एआर के नहीं आने से बोली नहीं लग पाई। अब उस किसान का बाजरा मंगलवार को खरीदा जाएगा, जिससे अब सरकारी खरीद चालू होने की पूरी संभावनाएं बन गई हैं। हैफेड 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजरा खरीदेगी तथा हैफेड एवं व्यापारी दोनों ही किसानों को उनके यहां नियमानुसार बाजरा बेचने पर जे



नारनौल। बाजरे की सफाई करते मजदूर। फोटो : हरिभूमि

साफ-सुथरा व सूखा बाजरा लाएं किसान

हैफेड के मैनेजर डा. योगेश शेखावत ने बताया कि किसान से करीब 37 क्विंटल बाजरा खरीदा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जो किसान इलेक्ट्रिक झरने का साफ-सुथरा एवं सूखा हुआ बाजरा लेकर आएंगे, उसे ही खरीदा जाएगा। नियमानुसार बाजरा के सरकार ने जो मानक निर्धारित किए हैं, उनके अनुसार बाजरा साफ-सुथरा एवं सूखा होना चाहिए। वह पतला, टूटा, बदरंग एवं कूड़ेदार नहीं होना चाहिए।

80 गेट पास काटे गए

मार्केट कमेटी की सचिव नुकुल यादव ने बताया कि आज 80 गेट पास काटे गए थे। सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि आज से मंडी में बाजरे की खरीद चालू हो गई है। किसानों को चाहिए कि वे मंडी में बाजरा केवल पंजीकृत वाहन में ही लेकर आएं। अन्यथा ई खरीद पोर्टल पर गेटपास जनरेट नहीं होगा और वह बिक्री में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

फार्म जनरेट करके दिया जाएगा, जिससे किसान को प्रदेश सरकार की घोषणा के मुताबिक भावांतर भरपाई योजना के तहत 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों को सीधे बैंक अकाउंट में राशि मिल सकेगी। इस खरीद की पहल करने में मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव की बड़ी भूमिका मानी जा रही है, जिन्होंने खरीद शुरू नहीं होने की बात केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तक पहुंचाई और उसके आधार पर राव ने सीएम नायब सिंह सैनी से बात की। चेयरमैन ने यहां के आढ़तियों एवं हैफेड के अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। उसके बाद से स्थिति में बदलाव आया है।

सतनाली अनाज मंडी में बाजरा खरीद नहीं होने से किसान परेशान



सतनाली मंडी। सतनाली अनाज मंडी में अभी तक बाजरा खरीद शुरू नहीं होने से परेशान किसानों ने अनाज मंडी में रोष जताया और खरीद एजेंसी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सरकार से तुरंत प्रभाव से बाजरा की खरीद शुरू करने की मांग की। इस अवसर पर राजपूत सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान सवाई सिंह राठौड़, किसान संघर्ष समिति प्रधान करतार सिंह बारड़ा, सतबीर राठौड़, सुरेश प्रधान बारड़ा, रामचंद्र बारड़ा, अशोक शेखावत, लीलाराम, जयप्रकाश, मातुराम, जयवीर, कुंभसिंह, किशनलाल बाजवा आदि सहित अनेक किसानों ने कहा कि किसान मंडी में बाजरा ला रहे हैं, लेकिन बाजरा की सरकारी खरीद शुरू नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एमसपी बढ़ाने के नाम पर किसानों को बरगला रही है, अभी तक बाजरा खरीद शुरू नहीं होने से लग रहा है कि सरकार की मंशा ठीक नहीं है। खरीद शुरू नहीं होने से क्षेत्र के किसानों में भारी रोष है।

एसडीएम के अनाज मंडी निरीक्षण में बाजरा खरीद एजेंसी मिली गैर हाजिर, उपायुक्त को भेजी रिपोर्ट

मार्केट कमेटी की सभी तैयारियां मिली दुरुस्त हैफेड की लचर कार्यशैली में अटके सरकार के बाजरा खरीद के दावे, किसानों में आक्रोश

नांगल चौधरी। सरकार के दावों में एक अक्टूबर से बाजरे की खरीद आरंभ हो चुकी है, लेकिन धरातल पर स्थिति दावों के विपरीत बनी हुई है, जिसकी पुष्टि एसडीएम उदय सिंह के औचक मंडी निरीक्षण में हुई है। मंडी में अभी तक खरीद एजेंसी ही नहीं पहुंची, ना ही बारदाना आया है। जिससे किसानों में खरीद को लेकर संशय बना हुआ है। एसडीएम ने उपायुक्त को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया। आपको बता दें कि अनाज मंडी में समर्थन मूल्यों पर बाजरे की खरीद निर्धारित की गई है। हैफेड को मापदंडानुसार खरीद करने की जिम्मेवारी सौंपी है तथा मार्केट कमेटी को विभिन्न व्यवस्था करने का दायित्व दिया है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सचिव ने सफाई के साथ बिजली-पानी व अन्य प्रबंध कर दिया। आढ़तियों ने भी आवश्यक प्रक्रिया पूरी करके खरीद की तैयारी कर रखी है, लेकिन मंडी में अभी तक खरीद एजेंसी पहुंची ही नहीं है। ना ही बारदाना तथा मार्केटिंग सोसायटी ने उपस्थिति दर्ज कराई है। एक अक्टूबर को 8-10 किसान बाजरा लेकर पहुंचे थे, लेकिन फसल वैरीफाई नहीं होने से टोकन रिलीज नहीं हो पाए।



सोमवार को 99 फीसदी किसानों की फसल तरदीक हो चुकी, जिसके आधार पर किसानों को टोकन अलॉट होने लगे हैं। देर शाम तक किसान खरीद के लिए एजेंसी का इंतजार करते रहे, लेकिन चार बजे तक उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। सूचना मिलने पर एसडीएम उदय सिंह अनाज मंडी में पहुंचे तथा किसानों की समस्याएं सुनी। उन्होंने खरीद एजेंसी को तलब किया, अनुपस्थिति की सूचना पर एसडीएम हैरान हो गए। उन्होंने तुरंत उपायुक्त को एजेंसी की लापरवाही से अवगत कराया तथा मंडी व्यवस्था की रिपोर्ट भेजी। इस दौरान किसानों ने बताया कि बाजरे की फसल तैयार होने के बाद वे मंडी में बिक्री के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परेशान किसान आढ़तियों से संपर्क करके खरीद संबंधी जानकारी मांगते हैं, लेकिन उन्हें कोई जबाब नहीं मिल रहा।



डीएलएसए सचिव ने सेफ हाउस का किया निरीक्षण

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. रितु वाईके बहल के दिशा-निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव नीलम कुमारी ने सोमवार को पुलिस लाइन स्थित सेफ हाउस, नागरिक अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र और सिंघाना रोड स्थित माधव नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य संस्थानों में दी जा रही बुनियादी सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था को देखा।



वार्ड 13 की गलियों का हो रहा कायाकल्प

महेंद्रगढ़। नगर के मोहल्ला सराय वार्ड नंबर 13 में लगभग 25 लाख की लागत से निर्माणाधीन विभिन्न गलियों के विकास कार्यों का नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता को देखते हुए संबंधित ठेकेदार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं।

लोकतंत्र का गला दबाकर सत्ता पर काबिज भाजपा से जनता में आक्रोश



नांगल चौधरी। अनाज मंडी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन ब्लॉक प्रधान बिक्रम सिंह मंढाणियां की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। सम्मेलन में जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और भाजपा सरकार की नीतियों को लेकर जनता के बीच जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों और भ्रष्टाचार को जनता तक पहुंचाने की जरूरत है। आरोप लगाया कि भाजपा के पास स्पष्ट नीति, नीयत और पारदर्शी विचारधारा नहीं है। केवल भावनात्मक भाषणों के माध्यम से जनता को गुमराह कर सत्ता चलाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि भाजपा की राजनीति के कारण देश में जातिवाद और धार्मिक आधार पर विभाजन बढ़ रहा है। इस मौके पर राव होशियार सिंह, सुमेर सिंह अटेली, दलीप चेयरमैन सिहमा, महेंद्र प्रधान राता, मनपाल पटीकरा, राजकुमार बिगोपुर, तेजपाल, रामस्वरूप, प्रहलाद पहलवान, नंदलाल, सूरत भल्ला ने विचार व्यक्त किया।

विधानसभा क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में धन्यवाद एवं विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने गांव लहरोदा में एक करोड़ 70 लाख रुपये, धरसू में 86 लाख 81 हजार रुपये, निवाजनगर में 67 लाख 54 हजार रुपये तथा बास किरारोद व उमरावास में एक करोड़ 85 लाख 71 हजार रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा को विकसित प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। उनकी सोच है कि बच्चों को शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक गांव में ई-लाइब्रेरी, विवाह



समारोहों के आयोजन के लिए विवाह स्थल तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए रनिंग ट्रैक जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। ओमप्रकाश यादव ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब क्षेत्र की भूमि बंजर होती जा रही थी। वर्ष 2014 में भाजपा सरकार के सत्ता संभालने के बाद नहरों एवं नदी-नालों में पानी पहुंचाने के प्रयास किए गए, जिससे क्षेत्र का जलस्तर ऊपर आया है। आज क्षेत्र के अधिकांश खेतों में फसलें लहरा रही हैं और किसान खुशहाल हैं।

कल से भरें जाएंगे नामांकन पत्र 18 को होंगे सैनी आश्रम के चुनाव



नारनौल। सैनी आश्रम (रजि.) की गवर्निंग बॉडी त्रिवार्षिक चुनाव की फिर से अधिसूचना जारी की गई है। अब 18 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक चुनाव होंगे। इसके तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस संबंध में चुनाव अधिकारी मूलचंद सैनी, उप चुनाव अधिकारी नेतराम सैनी व पर्यवेक्षक सुरेश कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि गवर्निंग बॉडी में प्रधान, उपप्रधान, महासचिव/सचिव, संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष का पद है। इन पदों के लिए नामांकन पत्र सात से नौ अक्टूबर तक शाम पांच से सात बजे के बीच दाखिल किए जा सकते है। यह नामांकन पत्र मौहल्ला पीरआगा स्थित सैनी आश्रम चुनाव समिति कार्यालय में वितरित किए जाएंगे। समस्त चुनावी प्रक्रिया सैनी आश्रम (धर्मशाला) पीरआगा में होगी। नामांकन दाखिल होने के अगले दिन 10 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच नामांकन पत्रों की जांच होगी। उसी दिन शाम पांच से सात बजे के बीच नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते है। इसके अगले दिन 11 अक्टूबर को शाम पांच से सात बजे के बीच चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर रविवार को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे के बीच मतदान होगा।

नागरिक अस्पताल में माइक्रोस्कॉपी मशीन खरीदने की तैयारी, जल्द शुरू हो सकेंगे ऑपरेशन

■ सीएसआर के तहत खरीदी जाएगी मशीन, टेंडर प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला नागरिक अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन की सुविधा जल्द फिर से शुरू होने की उम्मीद है। अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन के लिए आवश्यक माइक्रोस्कॉपी मशीन की खरीद कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत की जाएगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद मशीन की खरीद की जाएगी। मशीन उपलब्ध होने के बाद अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन शुरू किए जा



नारनौल। महिला के आंखों की जांच करते नेत्र विशेषज्ञ डा. नवीन यादव।

सकेंगे।

अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन यादव ने बताया कि माइक्रोस्कॉपी मशीन आंखों के ऑपरेशन के लिए आवश्यक उपकरण है। मशीन की खरीद के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को अस्पताल में अंतिम बार आंखों का ऑपरेशन किया गया था। अब नई मशीन उपलब्ध होने के बाद ऑपरेशन की सुविधा दोबारा शुरू हो सकेगी। बता दें कि नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज आंखों की जांच और उपचार के लिए पहुंचते हैं। जांच के दौरान मोतियाबिंद सहित अन्य ऐसी स्थितियां सामने आती हैं, जिनमें मरीजों को ऑपरेशन की आवश्यकता होती है। नई माइक्रोस्कॉपी मशीन उपलब्ध होने के बाद ऐसे मरीजों को अस्पताल में ही आवश्यक ऑपरेशन की सुविधा मिल सकेगी। सीएसआर के तहत मशीन की खरीद की प्रक्रिया शुरू होने से अस्पताल में आंखों के उपचार की सुविधाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

ग्रामीणों और यात्रियों में रोष, सीनियर डीसीएम ने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को दिए जांच के निर्देश

रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म निर्माण में लापरवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

उत्तर-पश्चिम रेलवे के अंतर्गत रेवाड़ी-सादुलपुर रेल खंड पर स्थित गुढा केमला रेलवे स्टेशन पर चल रहे प्लेटफॉर्म अपग्रेडेशन कार्य में निर्माण एजेंसी और ठेकेदार द्वारा खुलेआम मानकों पर अनियमितताएं बरती जा रही है। विकास कार्य के नाम पर बरती जा रही इस गंभीर लापरवाही और घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और दैनिक रेल यात्रियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों का आरोप है कि प्लेटफॉर्म निर्माण में ठेकेदार द्वारा जमकर धांधली बरती जा रही है। नई ईंटों की जगह प्लेटफॉर्म पर पहले से लगी पुरानी और उखड़ी हुई ईंटों को दोबारा चुनाई में खपाया जा रहा है। इतना ही नहीं, जो नई ईंटें मंगवाई गई हैं, वे भी बेहद घटिया स्तर की हैं, जो हाथ लगाते ही भुरभुराने लगती हैं। तकनीकी मानकों के अनुसार ईंटों की चिनाई से पहले उन्हें पानी में अच्छी तरह भिगोना, तराई करना अनिवार्य होता है, लेकिन यहां सूखी ईंटों से ही धड़ल्ले से चिनाई की जा रही है। निर्माण कार्य के दौरान पर्याप्त पानी का छिड़काव न होने से निर्माण की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बुनियाद भरते समय मौके पर रेलवे का कोई भी जिम्मेदार



कनीना। इस्तेमाल की जा रही निम्न स्तर की इंटे। फोटो : हरिभूमि

तकनीकी अधिकारी मौजूद नहीं रहता। निगरानी के अभाव में ठेकेदार के कर्मचारी मनमाने ढंग से जैसे-तैसे काम निपटाने में लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों और यात्रियों ने घटिया निर्माण कार्य का कड़ा विरोध जताया। लोगों का कहना है कि यह जनता के पैसे की खुली बर्बादी और यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

सुधार नहीं हुआ तो काम रुकवाने को होंगे मजबूर

ग्रामीणों ने रेलवे के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि मौके पर चल रहे काम की तकनीकी जांच कराई जाए, इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता परखी जाए और दोषी ठेकेदार व लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि कार्य में सुधार नहीं हुआ, तो ग्रामीण काम रुकवाने को मजबूर होंगे।

क्या कहते है सीनियर डीसीएम

इस बारे में रेलवे के बीकानेर स्थित सीनियर डीसीएम ने बताया कि इस बारे में इस बारे में इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को मौका निरीक्षण करने तथा कार्य में निगरानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

रोहतक, मंगलवार
6 अक्टूबर, 2026



स्पेशल : इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड-डे, 11 अक्टूबर

राष्ट्रीय हो या अंतरराष्ट्रीय, बालिकाओं की स्थिति बहुत चिंताजनक है। वे कुपोषण का शिकार हैं, शिक्षा नहीं हासिल कर सकतीं, उनका बाल विवाह हो रहा है, भ्रूण हत्याएं जारी हैं। वे हिंसा का शिकार होती हैं। कानूनी अधिकारों से वे वंचित हैं। सबसे अधिक दुखदायी स्थिति है बेटियों के साथ सामाजिक और पारिवारिक भेदभाव। दुनिया की सभी बालिकाएं अपना हक पाएं, सुखी जीवन हासिल करें, इसके लिए बहुत जरूरी है, वैश्विक स्तर पर साझे प्रयास किए जाएं।

दुनिया भर में कायम है बेटियों की जद्दोजहद

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी देश या समाज की दशा-दिशा के मुताबिक बेटियों के जीवन से जुड़ी परिस्थितियां भी बदल जाती हैं। दुनिया का कोई भी कोना हो, बच्चियों को असहज करने वाली बातों और हालातों में फर्क आ ही जाता है। हर जगह बड़ी होती लाडलियों के सामने आने वाली समस्याओं में भी अंतर होता है। आगे बढ़ने और अपने सपने साकार करने में आने वाली अड़चनों से जुड़ी शिकायतें भी थोड़ी भिन्न होती हैं। इतना ही नहीं, आम-सी जिंदगी जीने की सहजता भी संसार के हर कोने में एक-सी नहीं है। हर परिवेश में बेटियों के हिस्से आई सुविधाएं और दुविधाएं अलग-अलग होती हैं। यहां तक कि जन्म लेने से पहले ही उनका जीवन छीन लेने की स्थितियां भी दुनिया के कई हिस्सों की अजन्मी बेटियों को झेलनी पड़ती हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो पीड़ाओं का रंग-ढंग भले अलग हो, दुनिया के हर भू-भाग में बेटियों को बहुत-सी तकलीफों से जूझना ही पड़ता है। अनकहा-सा दबाव और बंदिशें उनके हिस्से आती ही हैं। इसी के चलते आज भी दुनिया भर में बेटियों की जद्दोजहद कायम है।

ग्लोबल लेवल पर समस्याएं

आज भी बेटियों की जद्दोजहद किसी एक देश तक सीमित नहीं है। सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विपरीत हालात वैश्विक स्तर पर देखे जा सकते हैं। बाल विवाह हो या अशिक्षा, भ्रूणहत्या हो या कुरीतियां। किसी न किसी रूप में बेटियों के जीवन का दंश बना हुआ है। विकसित देशों से लेकर आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े देशों तक, कहीं जागरूकता की कमी है, तो कहीं अति आधुनिक विचार बेटियों के जीवन को मुसीबत में डाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लड़कियों के सामने शिक्षा की कमी, सामाजिक-पारिवारिक भेदभाव, कुपोषण, हिंसा और कानूनी अधिकार पाने से जुड़ी अनगिनत चुनौतियां कायम हैं। ऐसी बहुत-सी चुनौतियों को संबोधित करने के लिए ही अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह खास दिन दुनिया भर की लड़कियों को उनके हक दिलाने और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने से जुड़ा है। इस दिन आगे बढ़ती बेटियों के योगदान का ग्लोबल उत्सव भी मनाया जाता है। बेटियों के सशक्त स्वर, उनके प्रभावी कार्यों और नेतृत्व क्षमता की चर्चा होती है। विशेष रूप से बेटियों की परवाह करने वाले लोग हर उस मोर्चे पर अवेयरनेस लाने का प्रयास करते हैं, जो उनके जीवन को सहज बना सके। संसार के हर कोने में समस्याओं का सामना करती बालिकाओं के लिए अपने अधिकार पाने और मन-जीवन से जुड़ी चुनौतियों का डटकर सामना करने का परिवेश बना सकें।



मिले बाल विवाह के दंश से मुक्ति

साल 2026 के लिए इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड-डे की थीम 'एंड चाइल्ड मैरिज एंड इंवेस्ट इन गर्ल्स राइट्स' है। यह विषय लड़कियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले ऑर्गनाइजेशंस, दुनिया भर के आम नागरिकों और यूएन के पार्टनर्स द्वारा मिलकर तय किया गया है। यह मुहिम साझे प्रयासों से बाल विवाह को खत्म करने, लड़कियों के अधिकारों को बल देने और फाइनेंशियल कॉन्ट्रिब्यूशन करने के लिए सक्रियता से काम करने का उद्देश्य लिए है। बाल विवाह हमारे देश में ही नहीं, दुनिया भर में बेटियों के जीवन के लिए दंश बना हुआ है। हर साल विश्व में एक करोड़ बारह लाख लड़कियों की चाइल्ड मैरिज होती है। दुनिया के कई देशों में बेटियों की शादी एडल्ट होने से पहले ही करा दी जाती है। समझना कठिन नहीं, बाल विवाह के बाद जेंडर वॉयलेंस, कुपोषण, कम उम्र में मां बनने से प्रेग्नेंसी के कॉम्प्लिकेशन जैसी स्थितियां लड़कियों के हिस्से आती हैं।

आंकड़े बताते हैं कि लगभग हर चार में से एक 15-19 वर्ष की लड़की ने अपने जीवनकाल में इंटीमेट पार्टनर की हिंसा झेली होती है। वैश्विक स्तर पर टीनएजर्स के एचआईवी संक्रमण के नए केसेस में 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। इन स्थितियों में लड़कियों का सम्मान और स्वास्थ्य दोनों चोटिल होते हैं। पढ़ाई छूट जाती है। भविष्य बनाने के सपने टूट जाते हैं। सुखद है कि हमारे देश में अब बाल विवाह में कमी आई है। बेटियों का जीवन सहेजने के लिए बाल विवाह को लेकर वैश्विक स्तर पर जागरूकता लाना और पारिवारिक स्तर पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है।

आशाओं को मिले संबल

यूनिसेफ की एक रिसर्च के अनुसार अनगिनत चुनौतियों से जूझने के बावजूद दुनिया भर की लड़कियां बेहतर भविष्य के लिए आशान्वित और दृढ़ संकल्पित हैं। ग्लोबल लेवल पर बहुत-सी बालिकाएं सुरक्षित, सशक्त बनने के विजन को लेकर आगे बढ़ रही हैं। उनकी आशाओं को संबल देने की जरूरत है।



कई समस्याओं का सामना कर रही हैं बालिकाएं

आमतौर पर यह मान लिया जाता है कि विकसित देशों में लड़कियों का जीवन बहुत सहज-सुविधाजनक है। जबकि आर्थिक रूप से संपन्न इन देशों में भी कई सामाजिक-पारिवारिक बंधन लड़कियों के हिस्से हैं। इतना ही नहीं, तकनीकी तरक्की के चलते इन देशों में लड़कियां साइबर बुलिंग की शिकार बनती हैं। टूटते परिवारों वाले आधुनिक समाज में बहुत-सी बच्चियां अकेलापन और एंग्जायटी भी झेलती हैं। कुछ समय पहले आई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की 60 फीसदी लड़कियों ने लगातार उदास और हताश रहने की शिकायत की थी। इसी रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की हर दस में एक से ज्यादा लड़की ने बताया कि उसे यौन धमकियां मिलीं और यौन संबंधों के लिए मजबूर किया गया। समझना मुश्किल नहीं कि दुनिया का कोई भी देश हो, बिखरी मनःस्थिति में बच्चियों का आपराधिक सोच वाले लोगों के जाल में फंसना बहुत आसान होता है। विकसित देशों में सिंगल पैरेंट के साथ बड़ी होती बेटियों में भावनात्मक असुरक्षा बहुत अधिक होती है। अमेरिका जैसे देश में भी जेंडर पे गैप की स्थितियां मौजूद हैं।

जो बिना कहे साथ निभाए वही है सच्चा रिश्ता

रिश्ते सिर्फ यह कह देने से 'हम आप से बहुत प्यार करते हैं' साबित नहीं होते, बल्कि उन अनकहे शब्दों से भी पहचाने जाते हैं, जब कोई बिना कुछ कहे साथ खड़ा रहता है, मुश्किल घड़ी में संबल बनता है। प्यार की असली खूबसूरती शब्दों से अधिक भरोसे में छिपी होती है। सच्चे रिश्ते की यही पहचान है।

रिलेशनशिप
वीरेंद्र बहादुर सिंह



अकसर आपने देखा होगा कि कुछ लोग हर समय प्यार और अपनेपन का इजहार तो करते रहते हैं, लेकिन मुश्किल समय में साथ नहीं दिखते। वहीं कुछ लोग कभी बड़े-बड़े वादे नहीं करते, लेकिन जरूरत पड़ने पर आपके साथ खड़े होते हैं। सच यही है कि सच्चे रिश्तों की पहचान शब्दों से नहीं, व्यवहार से होती है।

आकर्षण से ज्यादा विश्वास-अपनत्व है जरूरी: किसी नए रिश्ते की शुरुआत प्रायः किसी न किसी आकर्षण से होती है। हर आकर्षण के पीछे कोई न कोई वजह होती है। किसी का स्वभाव, व्यक्तित्व या समझदारी हमें उसकी ओर खींचती है। समय के साथ यदि ये वजहें बदलने लगें तो आकर्षण भी कम हो सकता है। लेकिन रिश्ता अगर केवल आकर्षण पर नहीं, विश्वास और अपनत्व पर टिका हो, तो वह लंबे समय तक बना रहता है।



'आई लव यू' के साथ जुड़ी होती हैं उम्मीदें: जब कोई 'आई लव यू' या 'मैं तुमसे करती हूं/प्यार करता हूं' कहता है, तो उसके साथ कई अनकही उम्मीदें भी जुड़ी होती हैं। साथ निभाना, परवाह करना, मुश्किल समय में साथ खड़ा रहना और भावनाओं को समझना, ये सब प्रेम का हिस्सा हैं। परेशानी तब शुरू होती है, जब इन उम्मीदों/अपेक्षाओं पर कभी खुलकर बात ही नहीं होती।

अनकही शिकायतों से बढ़ती है रिश्तों में दूरी: अधूरी उम्मीदें धीरे-धीरे शिकायतों का रूप ले लेती हैं। इन शिकायतों को जल्द से जल्द आपसी बातचीत और समझदारी से हल किया जाना जरूरी है। शिकायतों को मन में दबाए रखने से सामने वाले को अपनी बात स्पष्ट करने का मौका नहीं मिलता। इससे रिश्ते में नाराजगी और गलतफहमी का जाल फैलता जाता है, दूरी बढ़ने लगती है। रिश्तों में सबसे बड़ा संकट तब आता है, जब मन की बात मन में ही रह जाती है।

छोटी-छोटी गलतफहमियों से टूटते हैं रिश्ते: अधिकांश रिश्ते किसी एक बड़ी घटना से नहीं टूटते। वे छोटी-छोटी गलतफहमियों, गलत धारणाओं और संवाद की कमी से कमजोर होकर टूट जाते हैं। यदि हर छोटी बात या गलतफहमी को बढ़ा-चढ़ाकर देखा जाए, तो प्रेम की जगह अविश्वास घर कर लेता है। कई बार यह अविश्वास रिश्ते के टूटने का कारण बन जाता है।

सच्चे प्रेम को प्रमाण की जरूरत नहीं होती: जो व्यक्ति आपको दिल से चाहता है, उसका अपनापन आपको स्वतः महसूस हो ही जाता है। वह चाहे कम बोले, लेकिन उसके व्यवहार में उसका प्रेम दिखाई देता है। उसी तरह जो केवल दिखावे का रिश्ता निभा रहा हो, उसकी सच्चाई भी समय के साथ स्पष्ट हो ही जाती है।

जताने से ज्यादा जरूरी है निभाना: जीवन में सबसे अनमोल रिश्ता वही होता है, जहां दिखावे से अधिक विश्वास हो, शब्दों से अधिक संवेदनाएं हों और वादों से अधिक साथ निभाने का साहस हो। आखिरकार, सच्चे रिश्ते बोलते नहीं, महसूस होते हैं।

खत्म नहीं होता सच्चा रिश्ता: लोग अलग हो सकते हैं, लेकिन रिश्तों की यादें, सीख और भावनाएं हमेशा साथ रहती हैं। कोई भी सच्चा रिश्ता समाप्त नहीं होता, समय के साथ केवल उसका स्वरूप बदल जाता है।

हर किसी के लिए 'मी टाइम' जरूरी है, पति- पत्नी के लिए भी, क्योंकि शादी के बाद दोनों अपनी रुटीन लाइफ में इतने ज्यादा बिजी हो जाते हैं कि उनके पास अपने लिए कोई समय नहीं होता। जीवन में हमेशा एक ताजगी बनी रहे, इसके लिए जरूरी है 'मी टाइम'।

क्या 'मी टाइम' शादीशुदा लोगों के लिए भी जरूरी है?

मैरिड लाइफ
नैंसी गुप्ता

शादी के बाद जिंदगी में जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। घर-परिवार, बच्चों की देखभाल, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच कई दंपती अपनी पसंद और जरूरतों के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। खासकर रोजमर्रा की व्यस्त जिंदगी में व्यक्ति का पूरा ध्यान दूसरों की जरूरतें पूरी करने में लग जाता है। ऐसे में खुद के लिए समय निकालना यानी 'मी टाइम' मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। अकेले समय बिताने का मतलब परिवार से दूरी बनाना नहीं होता, बल्कि यह खुद को समझने और अपने भीतर एक नई ऊर्जा जुटाने का अवसर होता है। जी हां, शादीशुदा लोगों के लिए भी 'मी टाइम' बहुत जरूरी है। इसे स्वस्थ रिश्ते और बेहतर जीवनशैली का हिस्सा समझना चाहिए।



खुद के लिए समय निकालना क्यों जरूरी : शादी के बाद अकसर व्यक्ति की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। घर और परिवार की जरूरतों को पूरा करते-करते अपनी पसंद, आराम और रुचियों के लिए समय कम बचता है। लगातार व्यस्त रहने से थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है। रोजाना कुछ समय अपने लिए निकालने से व्यक्ति को मानसिक रूप से आराम मिलता है, वह अपनी जरूरतों पर ध्यान दे पाता है। यह समय बहुत लंबा हो यह जरूरी नहीं है। दिन में 20-30 मिनट आसानी से अपने लिए निकाले जा सकते हैं।



'मी टाइम' का मतलब अकेले रहना नहीं: कई लोगों को लगता है कि 'मी टाइम' का अर्थ परिवार से अलग रहना या जिम्मेदारियों से बचना है, ऐसा बिल्कुल नहीं है। 'मी टाइम' का मतलब अपनी पसंद का कोई काम करना होता है, जैसे कोई किताब पढ़ना, पेंटिंग करना, संगीत सुनना, टहलना, पौधों की देखभाल करना, योग करना या शांत बैठकर चाय पीना भी 'मी टाइम' का हिस्सा है। जरूरी यह है कि इस दौरान व्यक्ति खुद को मानसिक रूप से आराम देने वाली गतिविधि करे, उसे एक सुकून महसूस हो।

शादीशुदा रिश्ते के लिए भी फायदेमंद: पति-पत्नी का हर समय साथ रहने का मतलब यह नहीं होता कि उन्हें हर काम साथ ही करना चाहिए। दोनों को अपनी व्यक्तिगत पसंद और रुचियों के लिए भी एक स्पेस मिलनी चाहिए। जब व्यक्ति खुद के लिए समय निकालता है तो वह अधिक तरोताजा महसूस करता है। इससे छोटी-छोटी बातों पर होने वाली झुंझलाहट कम करने में मदद मिलती है। हमें यह समझना चाहिए कि स्वस्थ रिश्ते में साथ समय बिताने के साथ-साथ एक-दूसरे के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना भी जरूरी है। यह दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखता है।

अपनी रुचि को फिर से पहचानें: शादी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच कई लोग अपनी पुरानी हॉबी छोड़ देते हैं। किसी को पेंटिंग पसंद होती है, किसी को डांस या फिर पढ़ना-लिखना, लेकिन समय न मिलने के कारण ये रुचियां पीछे छूट जाती हैं। 'मी टाइम' अपनी पुरानी रुचियों को फिर से जिंदगी में शामिल करने का मौका देता है।

हर समय परिवार के लिए उपलब्ध रहना जरूरी नहीं: परिवार के सदस्यों की जरूरतों का ध्यान रखना बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति को हर समय उपलब्ध रहना ही चाहिए। लगातार काम करते रहने से थकान बढ़ जाती है। इसलिए घर में सभी सदस्यों को एक-दूसरे की जरूरतो का ध्यान रखना चाहिए।

अगर कोई व्यक्ति कुछ समय शांत रहना चाहता है या अपनी पसंद का कोई काम करना चाहता है, तो इसे गलत समझने के बजाय उसकी जरूरत के रूप में देखना चाहिए।

(लाइफस्टाइल एक्सपर्ट श्वेता गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

घर पर ऐसे करें हेयर कलर



हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आजकल महिलाओं में बालों को कलर करने का ट्रेंड बहुत देखने को मिल रहा है। जहां पहले सिर्फ सफेद बालों को काला करने के लिए कलर किया जाता था। लेकिन अब महिलाएं काले बालों को ग्लैमरस लुक देने के लिए भी उन्हें कलर करवा रही हैं। लेकिन केमिकल वाले कलर्स से बालों को नुकसान भी पहुंचता है। इसलिए बालों को नेचुरल कलर से रंगना चाहिए।

नेचुरल हेयर कलर: आजकल प्राकृतिक तत्वों और सब्जियों से बने कलर्स भी 'हेयर मस्कारे' के रूप में उपलब्ध हैं। हेयर मस्कारा कुछ हद तक क्रेयॉन की तरह होते हैं, जो बालों को 'स्ट्रीक' करने के लिए किए जाते हैं। यह काफी प्रभावी रूप से सफेद बालों को छिपाते हैं। ये बालों को ग्लैमरस लुक देते हैं और सामान्य बालों से अलग लुक देने में भी मदद करते हैं। इसका मुख्य लाभ यह है कि ये बालों की संरचना और बनावट को होने वाले नुकसान से बचाते हैं।



ऐसे बनाएं हेयर कलर: हालांकि बाजार में हर्बल उत्पादों से बने नेचुरल कलर तो मिल जाते हैं लेकिन ये थोड़े महंगे होते हैं। आप चाहें तो इन्हें घर पर भी बना सकती हैं। कलर पेस्ट बनाने के लिए गुनगुने पानी में मेहंदी और कत्था जैसे नेचुरल कलरेंट मिलाएं। इसके बाद रबर के दस्ताने पहनकर समान रूप से ऊपर से नीचे तक बालों पर लगाएं। 3 घंटे के लिए रंग लगा हुआ छोड़ दें। इसके बाद अच्छी तरह साफ पानी से धो लें।

फायदेमंद है आंवला: आंवला सफेद बालों को नियंत्रित करने के लिए उत्तम माना जाता है। कच्चे आंवले का रस एक पानी के गिलास में डालकर रोज पीने से सफेद बालों को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही आंवला, मेहंदी पावडर में मिलाकर लगाया जा सकता है। आपको बता दें कि मेहंदी सफेद बालों को रंगती है, न कि काले बालों को। इसका पेस्ट बनाने के लिए रात को 2 से 3 कप पानी में रात भर सूखा आंवला भिगोकर रख दें। अगली सुबह, आंवला पानी से निकाल लें। इसके बाद पानी फेंकना नहीं है। अब आंवला पीस लें। इसके बाद मेहंदी पावडर में आंवला पेस्ट, 4 छोटे चम्मच नीबू का रस, कॉफी, 2 चम्मच तेल और पर्याप्त आंवले का पानी मिलाएं। दो से तीन घंटे के लिए पेस्ट बनाकर रख दें। फिर पूरे बालों में इस तरह लगाएं कि सारे बाल कवर हो जाएं। कम से कम दो घंटे के लिए रखें और सादे पानी से धो लें।



इस तरह लगाएं मेहंदी: सबसे पहले ध्यान रखें कि मेहंदी पावडर अच्छी गुणवत्ता की हो। यह गहरे हरे रंग की होनी चाहिए। हेयर हेल्थ को अच्छा करने और बालों की समस्याओं को दूर करने के लिए मेहंदी के साथ आंवले, ब्राह्मी, भृंगराज, बेल आदि का इस्तेमाल करना चाहिए। मेहंदी बहुत अच्छा कंडीशनर होता है और बालों को सुरक्षा के साथ मजबूती भी प्रदान करता है।

आने वाले नवरात्रों में आप व्रत जरूर रखेंगी। व्रत के दौरान सिर्फ अन्न से दूरी बनाना ही काफी नहीं है। शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और पोषण मिले, इसके लिए सही आहार का सेवन करना भी जरूरी है।

व्रत में ऐसी हो आपकी डाइट

डाइट सजेशन
निकिता चौहान





अधिकतर महिलाएं नवरात्र व्रत रखती हैं। अकसर लोग व्रत के दौरान फलाहार के नाम पर तली-भुनी चीजें, साबूदाना, आलू और मीठे खाद्य पदार्थ अधिक मात्रा में खाने लगते हैं। इससे सेहत को फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है। वहीं, पर्याप्त पानी और संतुलित आहार की कमी से कमजोरी, सिरदर्द, एसिडिटी, कब्ज और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि व्रत के दौरान ऐसी डाइट ली जाए, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ पोषण भी दे। नवरात्र में व्रत का उद्देश्य केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि संयम के साथ शरीर और मन का ध्यान रखना भी है। संतुलित फलाहार, पर्याप्त पानी और सही मात्रा में पोषक तत्व लेकर आस्था के साथ सेहत का भी ख्याल रखा जा सकता है।

बनाए रखें हाइड्रेशन: नवरात्र के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। इसके अलावा नारियल पानी, नीबू पानी, छाछ जैसे पेय भी डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। बहुत अधिक चीनी वाले पेय और पैकेज्ड जूस से बचना बेहतर है।

फल-सब्जियों का सेवन: व्रत की डाइट में मौसमी फल और सब्जियों को शामिल करना अच्छा विकल्प है। सेब, पपीता, संतरा और अमरूद जैसे फल खाए जा सकते हैं। फलों के जूस की बजाय पूरा फल खाना बेहतर रहता है, क्योंकि इससे फाइबर भी मिलता है। दिनभर एक साथ ज्यादा खाने की बजाय छोटे और संतुलित मील लेना अधिक बेहतर है।

कुट्टू, सिंघाड़ा और सामक से मिले ऊर्जा: व्रत में कुट्टू या सिंघाड़े के आटे की रोटी और चीला लिया जा सकता है। इसके साथ दही या सब्जियां शामिल करने से भोजन अधिक संतुलित हो जाता है। सामक के चावल भी सीमित मात्रा में खाए जा सकते हैं। प्रोटीन के लिए दूध, दही और पनीर ले सकते हैं।

तली-भुनी चीजों से बनाएं दूरी: साबूदाने की खिचड़ी, वड़ा, आलू चिप्स, कुट्टू की पूड़ी और पकौड़े व्रत में खूब पसंद किए जाते हैं। इनका अधिक सेवन कैलोरी बढ़ाने के साथ पेट से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है।

नमक-चीनी का सीमित सेवन: व्रत में सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसकी मात्रा पर भी नियंत्रण जरूरी है। चाय, कॉफी, मीठी लस्सी और अन्य मीठे पेय का भी अधिक सेवन नहीं करना चाहिए।

व्रत खोलते समय बरतें सावधानी: व्रत खोलते ही बहुत ज्यादा या भारी, मसालेदार और तला-भुना भोजन करने से बचें। शुरुआत हल्के भोजन, फल या दही से की जा सकती है। भोजन धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाएं, ताकि पाचन तंत्र पर अचानक अधिक भार न पड़े।

बरतें ये विशेष सावधानी: डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी या हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों को बिना चिकित्सकीय सलाह के लंबे समय तक उपवास नहीं करना चाहिए। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं, बुजुर्गों तथा नियमित दवा लेने वाले लोगों को भी व्रत रखने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेनी चाहिए।

(सीनियर डाइटिशियन डॉ. आस्था शर्मा से बातचीत पर आधारित)

सतनाली कॉलेज के छात्रों ने निकाली सड़क सुरक्षा रैली



सतनाली मंडी। सेवा संकल्प अभियान के तहत राजकीय महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा रैली का आयोजन किया गया। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर लांबा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने हाथों में सड़क सुरक्षा संबंधी स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर आमजन को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा तेज गति से वाहन न चलाने के लिए जागरूक किया। राहुल यादव ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों का स्वयं पालन करने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस मौके पर डॉ. नीलम, डॉ. रितु, डॉ. आशीष, डॉ. प्रदीप सांगवान, डॉ. संजय, डॉ. अजीत सिंह शेखावत आदि मौजूद थे।

501 कलशों के साथ निकलेगी भव्य कलश यात्रा, 19 को भंडारा

23वां विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव 11 अक्टूबर से, तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

टाइगर क्लब परिवार की ओर से आयोजित होने वाले 23वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। महोत्सव को लेकर रविवार रात क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें महोत्सव की तैयारियों, कार्यक्रमों और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गई। क्लब के कलश यात्रा प्रमुख टीटू सोनी ने बताया कि इस वर्ष दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन 11 से 20 अक्टूबर तक पुरानी कचहरी मैदान में किया जाएगा। महोत्सव की शुरूआत 11 अक्टूबर को मां चामुंडा देवी मंदिर परिसर से पुरानी कचहरी मैदान तक निकलने वाली भव्य कलश यात्रा से होगी। इस बार कलश यात्रा में निर्धारित 501 कलश शामिल किए जाएंगे। मां अन्नपूर्णा जी नांगलसोढा धाम से कलश यात्रा में शामिल होने के लिए मां चामुंडा देवी मंदिर परिसर पहुंचकर भक्तों को आशीर्वाद देंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव की शुरूआत से एक दिन पहले 10 अक्टूबर को झंडा बाइक रैली निकाली जाएगी। इसके माध्यम से मां चामुंडा देवी को महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया जाएगा। महोत्सव स्थल पर 35 फीट ऊंचे और 50 फीट चौड़े मंच पर माता रानी का भव्य दरबार सजाया जाएगा। बंगाल के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार की गई आकर्षक प्रतिमा को दरबार में स्थापित किया जाएगा। पंडाल और अन्य व्यवस्थाओं का कार्य तेजी से चल रहा है। महोत्सव के दौरान 11 से 18 अक्टूबर तक प्रतिदिन भजन संध्या, झांकियों और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।



नारनौल। बैठक करते क्लब के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सदस्यों को सौंपी जिम्मेदारियां

क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव को व्यवस्थित एवं भव्य बनाने के लिए अलग-अलग सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मुख्य कार्यक्रम संयोजक ने तैयारियों का निरीक्षण कर संबंधित सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि दुर्गा पूजा महोत्सव क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ क्षेत्र के गणमान्य लोग भी भाग लेते हैं। सभी सदस्यों से आपसी समन्वय के साथ आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर महोत्सव पुरोहित नारायणा शास्त्री, क्लब प्रधान राकेश यादव, संरक्षक राकेश यादव, संरक्षक डॉ. शिवकुमार यादव, संरक्षक गजेंद्र यादव नम्बरदार, सचिव नरेंद्र बंसी, कोषाध्यक्ष मनोज सिंहल, कलश व्यवस्था प्रमुख टीटू सोनी, श्रीचंद सैनी, सहसचिव रवि सैनी, मुख्य सलाहकार सत्यपाल यादव, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र यादव, उपप्रधान राजेश सैनी, पंडाल प्रमुख प्रवीण यादव, प्रचार मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा, दरबार व्यवस्था प्रमुख ललित सैनी, मंच संचालक हेमन्त जैन, वरिष्ठ सदस्य टिंकू जैन, समशेर, हिमांशु गौतम, पंकज लखेरा, रवि खन्ना, विशेष सलाहकार एवं कीर्तन गायकार प्रमुख नवीन वशिष्ठ, होशियार लखेरा, कैलाश चंद नम्बरदार, राहुल राजोरिया, विजय सैनी, अजय भोलू, स्टेट अवार्ड राकेश गुरुजी, विजय रहीश, मुकुल चौधरी, कमल सोनी, अनिल लख्खा, मनोज सोनी, भगवत आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

शिकायतों के निपटारे में न हो देरी: डीसी

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान नागरिकों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही इन समस्याओं के समाधान के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि सरकार तथा जिला प्रशासन का यह लक्ष्य है कि कोई भी शिकायत लंबे समय तक लंबित न रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

शैक्षणिक गतिविधियों से करवाया अवगत

नारनौल। राजकीय शिक्षण महाविद्यालय में सोमवार को नव प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, नियमों, पाठ्यक्रम, विभिन्न गतिविधियों तथा उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराना रहा। असिस्टेंट प्रोफेसर हरिकेश, डॉ. शुभांकर सिंह, डॉ. रेखा सेहरावत, डॉ. नीलम शर्मा, सुरेंद्र कुमार की उपस्थिति में नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की जानकारी दी।

बोर्ड की परीक्षाओं में जिले में अव्वल रहे विद्यार्थी, श्रेष्ठ खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नर नारायण सेवा समिति ने प्रतिभा सम्मान के साथ मनाया वार्षिक उत्सव

यादव धर्मशाला में श्रद्धा और सेवा की दिखी झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नर नारायण सेवा समिति की ओर से यादव धर्मशाला में वार्षिक उत्सव श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ अत्यंत आयोजित किया गया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय नैतिक एवं चारित्रिक उत्थान से राष्ट्र की प्रगति रहा। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से जुड़े गणमान्य प्रबुद्धजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी अरुण गुप्ता नूनीवाला उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाराम यादव ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपालशरण गर्ग ने शिरकत की। इनके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी पियूष यादव, सनातन धर्म सभा के प्रधान धर्मचंद छाबड़ा व राजकुमार कौशिक उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2026 में समिति द्वारा किए गए प्रमुख सेवा कार्यों—जैसे रेवाड़ी रोड स्थित सर्वोच्च स्वर्ग आश्रम में जनसुविधाओं का विस्तार, गोपाल गौशाला में सहयोग तथा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर वाटर कूलर स्थापित कराने आदि का वार्षिक ब्यौरा प्रस्तुत किया। वार्षिक उत्सव के विशेष सत्र के दौरान हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (भिवानी) की 10वीं व 12वीं परीक्षा में जिला स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समाज के 90 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों, प्रतिभावान खिलाड़ियों तथा सामाजिक-धार्मिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया।



नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

युवाओं को नैतिक अनुसरण के लिए प्रेरित किया

मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. नीरज करण सिंह एवं महिला महाविद्यालय नारनौल की प्रवक्ता डॉ. ममता शर्मा ने अपने प्रेरक विचारों से युवाओं को नैतिक मूल्यों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। समिति के अध्यक्ष रामसिंह मधुर ने अपने संबोधन में कहा कि नर नारायण सेवा समिति का मूल ध्येय समाज में सेवा, संस्कार और मानवता की भावना को सुदृढ़ बनाना है।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन समिति के विकास अधिकारी संजय गर्ग एवं प्रवक्ता डॉ जितेंद्र भारद्वाज ने किया। इस सफल आयोजन में समिति के संस्थापक प्रधान परमानंद दीवान, पूर्व प्रधान बेगराज गोयल, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, महासचिव सत्यवीर सिंह, भारत भूषण तायल, लेखा परीक्षक सुभाष संघी, धर्मपाल शर्मा आनंद जोशी, रविंद्र कुमार, शिवलाल वर्मा, दुलीचंद शर्मा सहित सुरेंद्र चौधरी, डॉ. राधेश्याम, डॉ संजय शर्मा, भीमसेन शर्मा, गोपाल मित्तल, प्रवीण संघी, सीताराम गोयल, सपना गुप्ता, मनीष गोगिया, विनय चौहान, ब्रजगोपाल अग्रवाल, संगीतज्ञ बलवान सैनी, गोपाल मित्तल, महेंद्र बंसल, सीताराम गोयल, कृष्ण गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विनोद कुमार, सोमदेव शर्मा एवं केशव गर्ग सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।



नारनौल। कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने मनाया शिक्षक कृतज्ञता पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से यदुवंशी डिग्री कॉलेज में शिक्षक कृतज्ञता पर्व का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षक के प्रति कृतज्ञता केवल किसी व्यक्ति के प्रति धन्यवाद नहीं, बल्कि उन संस्कारों और मूल्यों के प्रति सम्मान है, जिनसे समाज और राष्ट्र का भविष्य निर्मित होता है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ शिक्षक की गरिमा और सामाजिक भूमिका को रेखांकित करना था। यदुवंशी कॉलेज प्राचार्य डॉ. नवीन अदलखा सहित कॉलेज के 21 शिक्षकों के प्रति ट्रस्ट की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम संयोजक एवं ट्रस्टी डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और दृष्टिकोण का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक होता है। एक शिक्षक के विचार और संस्कार अनेक पीढ़ियों के जीवन को प्रभावित करते हैं। इस मौके पर शिवानी यादव, देवेन्द्र कुमार, हिमांशु पोरवाल, बिरेन्द्र यादव, देवेन्द्र कुमार, मीना कुमारी, वरुण भारद्वाज आदि मौजूद थे।

शिक्षक का सम्मान जरूरी

इसलिए शिक्षक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना वास्तव में भविष्य के निर्माण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है। उप-प्राचार्य डॉ. सोनल यादव ने कहा कि सेवा, शिक्षा और संस्कार की भावना के साथ शिक्षक समाज को नई दिशा देने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ट्रस्टी भीमसेन शर्मा ने कहा कि समाज को भी शिक्षक के योगदान को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर उनके प्रति निरंतर आदर और सहयोग का भाव रखना चाहिए।

गोवर्धन लीला से दूर किया इंद्र का अभिमान

- भागवत कथा के छठे दिन कृष्ण-रुक्मणि विवाह की मनमोहक झांकी ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव दुलोठ जाट में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। कथा के शुभारंभ से पहले आचार्य मनीष शास्त्री व यश शर्मा ने मुख्य यजमान राकेश कुमार व सुरेश कुमार के परिवार से विधि-विधानपूर्वक देवी-देवताओं का पूजन करवाया। इसके बाद भागवताचार्य बजरंग शास्त्री ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला, महारास, मथुरा गमन तथा कृष्ण-रुक्मणि विवाह का प्रसंग सुनाया। कथा प्रवचन करते हुए आचार्य बजरंग शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर धारण कर इंद्र का अभिमान दूर किया था। इसके बाद इंद्र ने ब्रज में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण से क्षमा मांगी। भगवान ने उन्हें क्षमा करते हुए भक्तों की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि भगवान अपने अपमान को सहन कर सकते हैं, लेकिन जो संतों और भक्तों को कष्ट देता है, उसे भगवान कभी सहन नहीं करते। भगवान का अवतार संतों और भक्तों की रक्षा तथा दुष्टों के संहार के लिए होता है। आचार्य ने स्पष्ट किया कि भगवान की रासलीला को सांसारिक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। यह भगवान की पावन लीला है।

भागवत जीवन का सार: अतरलाल



कार्यक्रम में ठाकुर अतरलाल ने कहा कि श्रीमद्भागवत जीवन का सार है। जो व्यक्ति भगवान की शरण और भागवत का आश्रय लेता है, वह भवसागर से पार होने का मार्ग प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि दुलोठ गांव वास्तव में धन्य है कि श्राद्ध पक्ष के अवसर पर ग्रामीणों को भागवत कथा की ज्ञान गंगा में डुबकी लगाने का अवसर मिल रहा है। इस मौके पर ठाकुर अतरलाल, मनीष बंसल, मोनिका बंसल, सोमदेव शर्मा, लखन गोयल, अनिल, गोकुल, राहुल, लीलावती देवी आदि मौजूद रहे।

सुरेहती जाखल में वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा



नारनौल। पुलिस की ओर से नशे और साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत गांव सुरेहती जाखल में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान सतनाली थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम ने ग्रामीणों, बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ उसके परिवार और भविष्य को भी प्रभावित करता है। इसके विपरीत खेलों में नियमित भागीदारी से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को मजबूत करते हैं। युवाओं से आह्वान किया गया कि वे अपनी ऊर्जा पढ़ाई, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं तथा अपने साथियों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। पुलिस ने अभिभावकों और ग्रामीणों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। अभिभावकों को बच्चों के साथ नियमित संवाद करने, उनकी संगति एवं गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें खेलों के लिए प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

महेंद्रगढ़ कॉलेज में चला स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में इको क्लब, पर्यावरण क्लब एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. विजय यादव ने किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए एकल उपयोग प्लास्टिक को एकत्रित किया और परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संदेश दिया। पर्यावरण विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनी कुमार ने विद्यार्थियों को एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए इसके प्रयोग से बचने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम संयोजक एवं पर्यावरण विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि एकल उपयोग प्लास्टिक पर्यावरण के साथ-साथ मानव जीवन, पशु-पक्षियों और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गंभीर चुनौती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से महाविद्यालय परिसर की सफाई की और एकल उपयोग प्लास्टिक को एकत्रित कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया। इस अवसर पर प्रो. हीरा सिंह, प्रो. जितेंद्र कुमार, प्रो. अभिषेक कुमार, प्रो. विक्रम सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



महेंद्रगढ़। शपथ लेते कॉलेज विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने मनाया स्थापना दिवस

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा

59वें स्थापना दिवस समारोह पर लगाया शिविर, 50 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ मुख्यालय चरखी दादरी से संबंधित हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन का 59वां स्थापना दिवस पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस यूनियन कार्यालय में सोमवार मनाया गया। इस दौरान यूनियन के अधीन सात ब्रांच के प्रयास से आयोजित किए गए रक्तदान शिविर में 50 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। इस स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कार्यकारी अधिकारी (डिजाइन नम्बर एक) प्रदीप कुमार यादव, उप मंडल अभियंता मुकेश शर्मा व उप मंडल अभियंता महेश कुमार यादव रहे। अध्यक्षता राज्य प्रधान ईश्वर शर्मा, राज्य महासचिव संदल सिंह राणा, राज्य कोषाध्यक्ष भगवान अहलावत, संगठन के फाउंडर मेंबर रामोतार शर्मा व भोमराज ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। हम अपने रक्त का दान करके किसी अनजान व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम बनते हैं। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति, किसी जरूरतमंद मरीज, गर्भवती महिला या गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति के लिए जीवन की नई उम्मीद बन सकता है। विशेष रूप से उन सभी रक्तदाताओं का अभिनंदन करते है, जिन्होंने अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर रक्तदान करने का संकल्प लिया है। आपका यह छोटा-सा प्रयास किसी परिवार की खुशियां वापस ला सकता है। इसलिए रक्तदान को केवल दान न समझें, बल्कि इसे जीवनदान समझें। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियां भी हैं। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा चिकित्सकीय मानकों के अनुसार रक्तदान करना सामान्यतः सुरक्षित प्रक्रिया है। इसलिए हमें स्वयं रक्तदान करने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और युवाओं को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।



नारनौल। रक्तदान शिविर में हिस्सा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

इनकी रही विशेष उपस्थिति

रक्तदान शिविर में राज्य कार्यकारिणी व जिला कमेटी, सभी सात ब्रांच के पदाधिकारी ने रक्त योद्धाओं को बैज व पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव ने किया। इस स्थापना दिवस समारोह व रक्त दान शिविर में विषेश सहयोग रहा। राज्य उप प्रधान सुरेन्द्र यादव, राज्य उप कोषाध्यक्ष भगवान शर्मा, राज्य प्रेस सचिव योगेश कुमार, अटेली प्रधान राजेश कलवाडी, नारनौल ब्रांच प्रधान रामशरण यादव, महेन्द्रगढ़ प्रधान रमेश शर्मा, महेन्द्रगढ़ बीएंडआर प्रधान सुखराज सिंह, बाबूलाल, अटेली प्रधान सुरेश कुमार, रामचंद्र शर्मा, प्रवीण, मनजीत, रवीन्द्र, श्योताज यादव, सतीश, कोशिंद्र, दीपक, शेर सिंह, धोलू, प्रवीण, राजाराम, कर्ण सिंह, जसविंदर, सुरेश यादव, संदीप जांगड़ा, जय भगवान, नीरज, उमेद सिंह, संजय, राजेश, राजबीर, मानसिंह सहित सैकड़ों कर्मचारियों व पदाधिकारियों ने भाग लिया।

नारनौल में कल जगेगी सेवा ज्योति



नारनौल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हरियाणा के मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में प्रदेशभर में सेवा ज्योति यात्रा पूरे उत्साह के साथ मनाई जा रही है। इसी कड़ी में सात अक्टूबर को नारनौल में भी भव्य आयोजन होगा, जिसकी तैयारियों को लेकर उपायुक्त अनुपमा अंजली ने सोमवार को लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। डीसी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों से अलग-अलग यात्राएं निकलेंगी, जो नारनौल पहुंचेंगी। यहां राजकीय पीजी कॉलेज के समागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में सबसे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का संबोधन लाइव दिखाया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण होगा। दोनों संबोधन बड़ी स्क्रीन पर दिखाए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम के समापन पर सेवा ज्योति को नारनौल के महावीर चौक में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के कार्यों को आमजन तक पहुंचाना है। साथ ही समाज के सभी वर्गों को विकसित भारत @ 2047 के संकल्प से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोग सामूहिक रूप से यह संकल्प लेंगे।

प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समय पर निपटान करना प्राथमिकता: एसडीएम

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जनसेवा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का सशक्त माध्यम है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समय पर निपटान हो इसके लिए समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है। डीसी अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में आए लोगों की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में जल आपूर्ति, बिजली, अवैध कब्जे हटाने, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित और राजस्व मामलों से जुड़ी समस्याएं सामने आई। इनमें से कई समस्याओं की मौके पर ही कार्रवाई शुरू करते हुए नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। एसडीएम योगेश सैनी ने कि जनता व प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करते हुए लोगों की समस्याओं का निवारण व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवाने के लिए जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि लोगों को एक स्थान पर उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निवारण किया जा सके।

सार्वजनिक सूचना

हम बाबूलाल पुत्र भैरव सिंह व सुनिता पत्नी बाबूलाल वासी शाहपुर अव्वल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करते हैं कि हमारा लडका अंकित हमारा कोई कहना नहीं मानता है और अपनी मनमानी करता है। इसलिए हम उसको अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में उससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कोरोना में बंद महेंद्रगढ़-गुरुग्राम बस सेवा नहीं हुई बहाल, ग्रामीणों ने उठाई आवाज

कुकसी, डेरोली, सिहमा, सिगरा, सागरपुर, अटेली समेत दर्जनों गांवों के लोगों बस नहीं चलने से परेशानी, सुबह की दोनों बसें फिर चलाने की मांग

- गुरुग्राम, मानेसर, रेवाड़ी व बावल में नौकरी के लिए आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कोरोना महामारी के दौरान बंद की गई महेंद्रगढ़ से गुरुग्राम एवं पलवल तक हरियाणा रोडवेज की बस सेवा सामान्य हालात लौटने के बावजूद अब तक दोबारा शुरू नहीं हो सकी है। इससे महेंद्रगढ़ क्षेत्र के कुकसी, डेरोली, सिहमा, सिगरा, सागरपुर, अटेली सहित आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों और रोजाना गुरुग्राम, मानेसर, रेवाड़ी व बावल क्षेत्र में नौकरी के लिए आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने हरियाणा परिवहन विभाग से पुरानी बस सेवा को जल्द बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने हरियाणा परिवहन विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन देकर समस्या से अवगत कराया है। ज्ञापन में बताया गया कि कोरोना महामारी से पहले महेंद्रगढ़ से वाया कुकसी, डेरोली, सिहमा, सागरपुर, अटेली होते हुए गुरुग्राम एवं पलवल तक सुबह छह बजे और 6:30 बजे दो रोडवेज बसों



नारनौल। बस स्टैंड। फोटो : हरिभूमि

का नियमित संचालन होता था। इन बसों के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को गुरुग्राम सहित अन्य शहरों तक आवागमन की सुविधा मिलती थी और परिवहन विभाग को भी राजस्व प्राप्त होता था। ग्रामीणों के अनुसार कोरोना महामारी के दौरान इन बसों का संचालन बंद कर दिया गया था। महामारी समाप्त होने और परिवहन व्यवस्था सामान्य होने के बाद क्षेत्र की अन्य बस सेवाएं तो धीरे-धीरे बहाल हो गईं, लेकिन इन दोनों महत्वपूर्ण बसों का संचालन अभी तक दोबारा शुरू नहीं किया गया है।

नौकरीपेशा लोगों को रोजाना होती है परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि डेरोली, सिहमा, सागरपुर, सिगरा, अटेली और आसपास के गांवों के काफी युवा गुरुग्राम, मानेसर, रेवाड़ी और बावल क्षेत्र में स्थित निजी कंपनियों में कार्यरत हैं। इसके अलावा दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों में कार्यरत कर्मचारी भी प्रतिदिन आवागमन करते हैं। सुबह के समय सीधी रोडवेज बस सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें निजी वाहनों, ऑटो या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत होती है। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह छह और 6:30 बजे चलने वाली दोनों बसें नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहद उपयोगी थी। बसों के बंद होने से सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को हो रही है, जिन्हें प्रतिदिन निर्धारित समय पर ड्यूटी पर पहुंचना पड़ता है।

रात में वापसी की भी बस सुविधा शुरू करने का आग्रह

ज्ञापन में ग्रामीणों और संबंधित ग्राम पंचायतों ने परिवहन विभाग से मांग की है कि महेंद्रगढ़ से गुरुग्राम-पलवल जाने वाली दोनों पुरानी बसों को पुनः संचालित किया जाए। साथ ही वापसी में डेरोली और महेंद्रगढ़ के लिए रात्रि ठहराव वाली बस सेवा शुरू करने का भी आग्रह किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सुबह और शाम दोनों समय बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाता है, तो क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने परिवहन विभाग से जनहित की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द बस सेवा बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि पुराना रूट बहाल होने से जहां ग्रामीणों को सस्ती और सुरक्षित परिवहन सुविधा मिलेगी, वहीं रोडवेज को भी नियमित यात्री मिलने से राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

न्यूज डायरी



राजकीय विद्यालय में चल रही अर्धवार्षिक परीक्षाओं का निरीक्षण किया

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुलाना में चल रही अर्धवार्षिक परीक्षाओं का निरीक्षण राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम की टीम द्वारा किया गया। यह निरीक्षण टीम सदस्य कुसुम लता के नेतृत्व में किया गया। टीम ने परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर परीक्षा से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की। निरीक्षण के उपरांत विद्यालय प्रांगण में टीम सदस्य कुसुम लता द्वारा पौधरोपण किया गया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कुसुम लता और प्राचार्य नीरज कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का होना हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं जो हमारे जीवित रहने के लिए आवश्यक है। पेड़ हमें फल-फूल, छाया, लकड़ी और दवाइयां देते हैं, इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इस अवसर पर प्राचार्य नीरज यादव द्वारा पूर्ण सहयोग किया गया। इस मौके पर प्रवक्ता सतपाल, मीनाक्षी, सतीश डीपीई, सहायक खंड संसाधन संयोजक (एबीआरसी) अशोक कुमार एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

ओमप्रकाश ने कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव पद से दिया इस्तीफा

नारनौल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश माण्डैया ने पार्टी कार्यक्रमों में मान–सम्मान न मिलने से क्षुब्ध होकर अपने पद से स्वेच्छा से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन में अन्य कार्यकर्ताओं को अवसर देने और अपनी जिम्मेदारी व कर्तव्य के प्रति ईमानदारी बरतते हुए उन्होंने यह निर्णय लिया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका कांग्रेस पार्टी से संबंध और समर्थन पूर्ववत रहेगा तथा वह आगे भी कांग्रेस के लिए काम करते रहेंगे। अपने संदेश में ओमप्रकाश माण्डैया ने कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि वह जन्मजात कांग्रेस समर्थक हैं और आगे भी पार्टी के साथ पूरी निष्ठा से जुड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि पद छोड़ने के बावजूद अनुसूचित जाति कांग्रेस, हरियाणा के लिए अपना श्रेष्ठ समय देने का उनका संकल्प जारी रहेगा। उन्होंने अपने त्यागपत्र की जानकारी हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस राजेंद्र पाल गौतम तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी को दी है।



हकेंवि की डॉ. सुमन रानी श्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़। शिक्षा, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति के संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के संस्कृत विभाग की सहायक आचार्य एवं स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ की अध्यक्ष डॉ. सुमन रानी को श्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर केंद्रीय आर्य युवक परिषद् रेवाड़ी एवं पतंजलि परिवार, रेवाड़ी की ओर से प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण यादव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर दोनों जनप्रतिनिधियों ने डॉ. सुमन रानी के शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ. सुमन रानी को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा उनकी इस एक और नूतन उपलब्धि को विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। विश्वविद्यालय परिवार की ओर से यह भी शुभकामना व्यक्त की गई कि डॉ. सुमन रानी भविष्य में भी इसी समर्पण एवं निष्ठा के साथ शिक्षा, शोध, संस्कृत, भारतीय ज्ञान परम्परा, सामाजिक जागरण एवं सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करती रहें और नई उपलब्धियां अर्जित करें। डॉ. सुमन रानी को प्राप्त श्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड उनके शैक्षणिक समर्पण, सामाजिक सरोकार एवं सांस्कृतिक प्रतिबद्धता की महत्वपूर्ण स्वीकृति है।

राव नेतराम शिक्षा समिति की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए वाहन सुविधा शुरू

नारनौल। राव नेतराम शिक्षा समिति सलीमपुर अटेली मंडी की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए वाहन सुविधा शुरू की गई। राव नेतराम शिक्षा समिति सलीमपुर के सचिव कुबेर सिंह यादव ने बताया कि समिति की ओर से कंपनी की वैन को राव नेतराम शिक्षा समिति के नाम रजिस्टर्ड करवाकर इसकी शुरूआत बच्चों की सुविधा के लिए की गई है, जिससे संपूर्ण रूप से शिक्षण में असमर्थ बच्चों की हौसला बढ़ सकें। इस मौके पर समिति अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव व सभी सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने समिति सदस्यों का धन्यवाद करते हुए इस प्रकार आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए हौसला अफजाई की।

लंबे समय से शौचालयों की कमी से परेशान थे दुकानदार और आम नागरिक

50 लाख रुपये की लागत से शहर में पांच शौचालय का निर्माण शुरू

- सब्जी मंडी और शहर के अन्य बाजारों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं
- महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक राहत मिलने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के बाजारों में लंबे समय से सार्वजनिक शौचालयों की कमी से परेशान लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका की ओर से शहर में करीब 50 लाख रुपये की लागत से पांच सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण शुरू कराया गया है। इन शौचालयों का निर्माण शहर के अलग-अलग प्रमुख स्थानों पर कराया जा रहा है, ताकि बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों, दुकानदारों और आसपास के नागरिकों को आवश्यक सुविधा मिल सके।

नगर पालिका की ओर से सब्जी मंडी के पास, मसानी चौक, नगर पालिका कार्यालय के पास, मोहल्ला सैनीपुरा में बड़िया के पास और कॉलेज मोड़ पर सार्वजनिक शौचालय बनाए जा रहे हैं। इन



महेंद्रगढ़। सब्जी मंडी के पास बनाए जा रहें शौचालय। फोटो : हरिभूमि

स्थानों का चयन शहर में लोगों की आवाजाही और बाजारों में भीड़ को ध्यान में रखते हुए किया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद इन क्षेत्रों में आने वाले लोगों को सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय से शौचालयों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक दिक्कत होती थी। बाजार में कई घंटे खरीदारी या अन्य काम से आने वाले लोगों के लिए शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी। कई बार लोग मजबूरी में इधर-उधर पेशाब करने को मजबूर होते थे। इससे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलने के साथ-साथ स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित होती थी।

सब्जी मंडी और शहर के अन्य बाजारों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। यहां दुकानदार भी पूरे दिन अपनी दुकानों पर मौजूद रहते हैं। ऐसे में सार्वजनिक शौचालय की सुविधा नहीं होने के कारण दुकानदारों को भी परेशानी होती थी। कई दुकानदारों को शौचालय के लिए अपनी दुकान छोड़कर दूर जाना पड़ता था। अब प्रमुख स्थानों पर शौचालय बनने से दुकानदारों के साथ बाजार में आने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी। नगर पालिका की ओर से जिन पांच स्थानों पर शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है, वहां रोजाना बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। सब्जी मंडी के पास बनने वाला शौचालय मंडी में आने वाले लोगों और आसपास के दुकानदारों के लिए उपयोगी होगा। इसी प्रकार मसानी चौक और कॉलेज मोड़ जैसे व्यस्त स्थानों पर शौचालय बनने से राहगीरों और बाजार में आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी। नगर पालिका कार्यालय के पास बनने वाला शौचालय आसपास के लोगों के साथ कार्यालय में आने वाले नागरिकों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

लोगों को थी परेशानी

स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण काफी समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। बाजारों में शौचालय नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता की समस्या भी बनी रहती थी। अब यदि इन शौचालयों का निर्माण जल्द पूरा हो जाता है और इनकी नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है तो लोगों को काफी राहत मिलेगी। शहर में सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के लिहाज से भी इन शौचालयों का निर्माण महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केवल शौचालयों का निर्माण कराना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि इनके नियमित रखरखाव, साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता और प्रकाश की व्यवस्था पर भी ध्यान देना जरूरी होगा। इससे लोग इनका बेहतर तरीके से उपयोग कर सकेंगे और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। करीब 50 लाख रुपये की लागत से तैयार किए जा रहे इन पांच शौचालयों से शहर के प्रमुख बाजारों में सार्वजनिक सुविधा का विस्तार होगा। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद दुकानदारों, ग्राहकों, राहगीरों और आसपास के नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से चली आ रही सार्वजनिक शौचालयों की कमी की समस्या दूर होने के साथ शहर की स्वच्छता व्यवस्था में भी सुधार की उम्मीद है।

शौचालय का निर्माण कराया जा रहा

नगर पालिका द्वारा करीब 50 लाख रुपये की लागत से सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जा रहा हैं। संबंधित एजेंसी ने फिलहाल तीन शौचालय पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया हैं। अगले दो शौचालयपर जल्द निर्माण शुरू होगा।

–रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका, महेंद्रगढ़।

15 साल बाद पीजी कॉलेज में फिर होगा क्षेत्रीय युवा महोत्सव

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय युवा महोत्सव की तैयारियों को लेकर जिले के सभी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संबंधित प्रभारियों की बैठक सात अक्टूबर प्रातः 11 बजे राजकीय महाविद्यालय में आयोजित की जाएगी। आयोजन समिति के संयोजक एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि बैठक में युवा महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर आगामी कार्ययोजना, विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं, प्रतिभागियों की भागीदारी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। सह-संयोजक डॉ. हवासिंह ने बताया कि जिले के सभी डिग्री कॉलेज इस क्षेत्रीय युवा महोत्सव में प्रतिभागिता के पात्र हैं। सचिव प्रोफेसर डॉ. नरेश यादव ने बताया कि लगभग 15 वर्ष के अंतराल के बाद राजकीय महाविद्यालय को पुनः क्षेत्रीय युवा महोत्सव की मेजबानी करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

साइबर ठगी से बचने के लिए छात्रों को किया जागरूक



नारनौल। विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

विद्यार्थियों को बढ़ते साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन ठगी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सीएलसी संस्थान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने के उपायों के साथ-साथ ठगी होने की स्थिति में तुरंत कदम उठाए जाने की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारी नीरज कुमार व हरिओम ने बताया कि आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, सोशल मीडिया और मोबाइल के माध्यम से साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी लोगों को फोन कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी, केवाईसी अपडेट, बैंक अकाउंट बंद होने तथा विभिन्न प्रकार के आकर्षक ऑफर का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाते हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम पिन, यूपीआई पिन बैंक संबंधी जानकारी या पासवर्ड सांझा नहीं करना चाहिए। यदि वित्तीय साइबर ठगी हो जाती है तो उसे घबराने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करवानी चाहिए।

हकेवि में गैर-शैक्षणिक कर्मियों को कार्यालय प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण

कर्मचारियों के ज्ञान, कौशल और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने पर जोर

- वीसी ने बदलती प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण को बताया जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के ज्ञान, कौशल एवं व्यावसायिक दक्षताओं के संवर्धन के उद्देश्य से सोमवार को कार्यालय प्रक्रियाओं पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशासनिक ब्लॉक स्थित सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की। विश्वविद्यालय के सम्पदा एवं सामान्य प्रशासन अनुभाग (ईएंडजीए) द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के संयुक्त कुलसचिव डॉ. हरि सिंह परिहार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था की प्रभावशीलता उसके मानव संसाधन की दक्षता और कार्य के प्रति उत्तरदायित्व पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा कि समय-समय पर आयोजित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को बदलती प्रशासनिक आवश्यकताओं, प्रक्रियाओं एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराने के साथ-साथ उनके व्यावसायिक कौशल को भी सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. हरि सिंह परिहार ने प्रतिभागियों को कार्यालयीन प्रक्रियाओं एवं कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों को प्रभावी, व्यवस्थित एवं दक्षतापूर्ण ढंग से संपादित करने के लिए निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ को आवश्यक बताया। प्रडॉ. हरि सिंह परिहार ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु एवं प्रभावी बनाए रखने में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।



महेंद्रगढ़। कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते डॉ. हरि सिंह परिहार। फोटो : हरिभूमि

जानकारी जिले के सभी पैनल वकील और पैरा लीगल वालंटियर्स जन-जन तक पहुंचाएंगे नई पहल को

कानूनी सहायता को लेकर नालसा ने शुरू की पांच नई पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की देखरेख में इंदौर में हुए सम्मेलन में कानूनी सहायता से जुड़ी पांच नई पहलें शुरू की गई हैं। उन्होंने आमजन से इनकी जानकारी लेने और दूसरों तक पहुंचाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने आठ और नौ अगस्त को इंदौर में पश्चिम क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया था। सम्मेलन का विषय न्याय तक पहुंच को सशक्त बनाना था। इसी दौरान ये पहलें शुरू की गई।

नीलम कुमारी ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य यह है कि कानूनी सहायता की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे, चाहे वे सुन नहीं सकते हों, हिंदी में जानकारी चाहते हों या बच्चों से जुड़े मामलों में काम करना चाहते हों। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिले के सभी पैनल वकीलों और पैरा लीगल वालंटियर्स से भी इन पहलों का प्रचार करने और इन्हें लागू करने में सहयोग करने को कहा गया है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे इन सुविधाओं की जानकारी अपने परिवार, पड़ोसियों और जानने वालों को जरूर दें, ताकि कोई जानकारी के अभाव में कानूनी मदद से वंचित न रहे। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण एडीआर सेंटर न्यायिक परिसर में संपर्क किया जा सकता है। इस हेल्पलाइन का नंबर 01282-250322 है।

पैनल वकीलों और पैरा लीगल वालंटियर्स को प्रचार-प्रसार के निर्देश

सांकेतिक भाषा में थीम सॉन्ग

नालसा का थीम सॉन्ग वीडियो अब भारतीय सांकेतिक भाषा में भी बनाया गया है, ताकि सुनने में असमर्थ लोग भी कानूनी सहायता की जानकारी समझ सकें।

नालसा की योजनाएं हिंदी में

नालसा की योजनाओं की पुस्तक का हिंदी संस्करण जारी किया गया है, जिससे लोग योजनाओं को अपनी भाषा में पढ़कर समझ सकें।

मध्यस्थता का सर्टिफिकेट कोर्स

मध्यस्थता: विवाद से सहमति की ओर नाम के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए प्रवेश पोर्टल शुरू हुआ है। इच्छुक लोग **mediation.mpdnlu.ac.in** पर आवेदन कर सकते हैं।

बच्चों के लिए न्याय

फेलोशिप कार्यक्रम: जस्टिस फॉर चिल्ड्रन फेलोशिप बच्चों से जुड़े न्याय के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए है। जानकारी और सदस्यता के लिए **unicefchairnludelhi.com** देखा जा सकता है।

न्याय के स्वर

कलाकृतियों, कविताओं और रचनात्मक अभिव्यक्तियों का एक संग्रह, जो विधिक सेवाओं के मिशन और मूल्यों से प्रेरित है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005